Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to take steps to address malnutrition particularly in Satna Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh- Laid - Laid

श्री गणेश सिंह (सतना): कुपोषण भारत की गंभीरतम समस्याओं में से एक है । आज भारत में दुनिया के सबसे अधिक अविकसित बच्चे 4.66 करोड़ और कमजोर 2.55 करोड़ बच्चे मौजूद हैं । इसकी वजह से देश में बीमारियों का बोझ ज्यादा है । हालाकि राष्ट्रीय परिवर्तन स्वस्थ सर्वेक्षण 4 के आंकड़े बताते हैं कि देश में कुपोषण की दर घटी है, लेकिन न्यूनतम आमदनी वर्ग वाले परिवारों में आज भी आधे से ज्यादा बच्चे 51 प्रतिशत अविकसित और सामान्य से कम वजन 49 प्रतिशत के हैं ।

कुपोषण पर ताजा सरकारी आंकड़े दिखा रहे हैं, कि भारत में कुपोषण संकट और गहरा गया है, इन आंकड़ों के मुताबिक भारत में इस समय 33 लाख से अधिक बच्चे कुपोषित हैं, इनमें से आधे से ज्यादा यानी कि 17.7 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं । सरकार ने इस समस्या को दूर करने के लिये अब तक कई प्रयास किये हैं, लेकिन तेजी से बढ़ती जनसंख्या और शहरी क्षेत्रों में रहने वाली आबादी के बढ़ते अनुपात के कारण निरंतर समस्याएं पैदा हो रही हैं ।

मेरे सतना जिले में सर्वाधिक कुपोषण मझगवां ब्लाक में व्याप्त हैं । उसका बड़ा कारण गरीबी है । दो वर्ग मवासी तथा खैरवार दोनों ट्रायबल हैं । इनको कुपोषण से बचाने के लिये कोई कारगर उपाय किया जायेगा ।